नईदुनिया

इजराइल का बेरूत और सीरिया पर हवाई हमला, हिजबुल्लाह के गढ़ में कई इमारतें जमींदोज, 22 मारे गए

बेरूत/दमिश्क।
इजराइली सुरक्षा बल (आईडीएफ) लेबनान में कभी बेखौफ घूमने वाले और गाजा की लड़ाई में हमास का साथ देने वाले ईरान समर्थित आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह के कमांडरों और उनके गढ़ों को चुन-चुनकर निशाना बना रहा है। इजराइल के ताजा हवाई हमले में हिजबुल्लाह के गढ़ में कम से कम 22 लोग मारे गए । कई इमारतें जमींदोज हो गईं।

द न्यूयॉर्क टाइम्स ने खबर में लेबनान के अधिकारियों के हवाले से कहा है कि गुरुवार को मध्य बेरूत के घनी आबादी वाले रास अल-नाबा इलाके में इजराइली हवाई हमले में कम से कम 22 लोग मारे गए और कम से कम 117 अन्य घायल हो गए। रास अल-नाबा में इजराइल की बमबारी की वजह से विस्थापित हुए लोग रह रहे हैं। आईडीएफ ने इन हमलों पर तत्काल टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया।

हमास ने पिछले साल सात अक्टूबर को इजराइल पर हमला किया था। इसके बाद इजराइल ने गाजा में आक्रमण कर हमास के छक्के छुड़ाए। हिजबुल्लाह इससे तिलमिला गया। उसने उत्तरी इजराइल पर रॉकेट दागने शुरू कर दिए। इजराइल ने तब लेबनान में हमले शुरू किए। तब से हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। हाल के हफ्तों में लेबनान में लगभग 10 लाख लोग अपने घर छोड़कर भाग गए हैं। पिछले महीने से इजराइल और हिजबुल्लाह के बीच घमासान छिड़ा हुआ है। इजराइल के ताजा हवाई हमले में रास अल-नाबा में आठ मंजिला इमारत की मध्य मंजिल को निशाना बनाया गया। इस हमले में दूसरी चार मंजिला इमारत जमींदोज हो गई।

इजराइल को लेबनान में छुपे हिजबुल्लाह प्रमुख हसन नसरल्लाह को मौत के घाट उतारने में कामयाबी मिल चुकी है। यही नहीं नसरल्लाह के प्रमुख उत्तराधिकारी हाशेम सैफिद्दीन का सफाया भी किया जा चुका है। वह पिछले सप्ताह इजराइल की एयरस्ट्राइक में मारा गया। द सीरियन ऑब्जर्वर के अनसार, इजराइल के दक्षिणी सीरिया पर किए गए हवाई हमले में हिज्बुल्लाह का एक आतंकवादी मारा गया है। आईडीएफ के अनुसार, गोलान हाइट्स की सीमा के सीरिया के कुनेइत्रा क्षेत्र में यह हमला किया गया। इसमें हिजबुल्लाह का आतंकी अधम जाहौत मारा गया। इस बीच गुरुवार को इराक ने सीरिया के अल-होल शिविर से अपने 706 लोगों को वापस बुला लिया। इस शिविर में कम से कम 45 देशों के 43,000 से अधिक लोग रहते हैं। इनमें इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह के संदिग्ध आतंकवादियों के रिश्तेदार भी हैं।

इस बीच सीरिया की सरकारी संवाद समिति सीरियन अरब न्यूज एजेंसी (एसएएनए) ने कहा है कि इराकी प्रतिरोध ने शुक्रवार को इजराइल के एक महत्वपूर्ण लक्ष्य को ड्रोन से निशाना बनाया। यह ड्रोन अटैक उम्म अल-रशरश (इलाट) में किया गया।

न्यूज ब्रीफ

विश्वास की बुनियाद पर चलती हैं अदालतें : सीजेआई चंद्रचूड़

थिम्फू। भारत के मुख्य न्यायाधीश डॉ डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि अदालतों की बुनियाद जनता के भरोसे पर टिकी हुई है। इसलिए इसकी विश्वनीयता और जनता का विश्वास बना रहना बेहद जरुरी है। चूंकि जज जनता द्वारा चुने नहीं जाते हैं इसलिए उनकी विश्वसनीयता और वैधता के लिए जनता का विश्वास आवश्यक है। उन्होंने कहा कि जनता के विश्वास से ही अदालतों को अपना नैतिक अधिकार प्राप्त होता है। भूटान के जेएसडब्ल्यू स्कूल ऑफ लॉ में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सीजेआई ने ये बातें कही हैं। सीजेआई ने कहा, लोकतांत्रिक सिद्धांत में जवाबदेही आमतौर पर निर्वाचित प्रतिनिधियों से जुड़ी होती है। निर्वाचित प्रतिनिधि सीधे अपने मतदाताओं और विधायी संस्थानों के प्रति जवाबदेह होते हैं। कुल मिलाकर वे लोकप्रिय जनादेश द्वारा चुने जाते हैं। दूसरी ओर न्यायालय और न्यायाधीश संविधान या वैधानिक कानूनों के जनादेश से अपनी शक्तियां प्राप्त करते हैं। चंद्रचूड़ ने कहा, न्याय न केवल किया जाना चाहिए बल्कि न्याय होते हुए दिखना भी चाहिए। अदालती प्रक्रिया में फंसे लोगों की तुलना में नतीजे दुर्लभ होते हैं। इसलिए न केवल संवैधानिक परिणाम बल्कि संवैधानिक यात्राएं भी मायने रखती हैं। ओपन कोर्ट सुलभ अदालतें मिशन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। प्रौद्योगिकी और सरल प्रक्रियाएं इन यात्राओं की कुंजी होंगी।सीजेआई ने कहा कि न्यायाधीशों के लिए जनता का विश्वास महत्वपूर्ण है क्योंकि हम अपने नागरिकों के दैनिक जीवन की समस्याओं से निपटते हैं। सीजेआई ने कहा, उस भरोसे को पूरा करने के लिए हमें उनके जूते में अपने पैर रखकर चलना चाहिए। उनकी वास्तविकताओं को समझना चाहिए और उनके अस्तित्व में समाधान खोजना चाहिए।सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा कि औपनिवेशिक संरचनाओं और कानूनी प्रक्रियाओं की पीड़ा से उभरने के बाद भारत में अदालतें सार्वजनिक धारणा के मामले में औपनिवेशिक बोझ से तुरंत मुक्त नहीं हुईं। भारतीय संविधान ने स्वतंत्रता और संप्रभु संस्थानों के एक नए युग की शुरुआत की, लेकिन यह बदलाव हमारी कानूनी प्रक्रियाओं और प्रथाओं में तुरंत परिलक्षित नहीं हुआ ।

शक्तिशाली सौर तूफान पृथ्वी से टकराया, ब्लैकआउट, जीपीएस सेवाओं में गिरावट

लॉस एंजिल्स। अमेरिका नेशनल ओशनिक एंड एटमॉस्फेरिक एडमिनिस्ट्रेशन (एनओएए) के मुताबिक गुरुवार को एक शक्तिशाली सौर तूफान पृथ्वी से टकराया है। तूफान हेलेन और मिल्टन से निपटने के लिए किए जा रहे रिकवरी प्रयासों को यह प्रभावित कर सकता है। एनओएए के अंतरिक्ष मौसम पूर्वानुमान केंद्र (एसडब्ल्यूपीसी) के मुताबिक मंगलवार को सूर्य से कोरोनल मास इजेक्शन (सीएमई) विस्फोट हुआ और गुरुवार सुबह 11: 15 बजे (ईएसटी) करीब 1.5 मिलियन मील प्रति घंटे की गति से पृथ्वी पर पहुंचा। मीडिया रिपोर्ट में एसडब्ल्यूपीसी के हवाले से बताया कि तूफान जी4 स्तर पर पहुंच गया। इसे जी4 जियोमैग्नेटिक स्टॉर्म वॉच के रूप में वर्गीकृत किया गया है। गुरुवार और शुक्रवार को जी4 या उससे अधिक जियोमैग्नेटिक स्टॉर्म वॉच प्रभावी रहा। एसडब्ल्यूपीसी, जियोमैग्नेटिक तूफान की स्थितियों को लेकर चेतावनियां और अलर्ट जारी करता है। एनओएए के मुताबिक रेडियो ब्लैकआउट, बिजली ग्रिड पर दबाव और जीपीएस सेवाओं में गिरावट आई है। सीएमई, सूर्य के कोरोना से चुंबकीय क्षेत्र और प्लाज्मा द्रव्यमान का बहुत बड़ा उत्सर्जन है। जब वे पृथ्वी की ओर आता है, तो पृथ्वी के चुंबकीय क्षेत्र में बड़ी हलचल पैदा करता है, जिसे भू-चुंबकीय तूफान कहा जाता है। इससे रेडियो ब्लैकआउट, बिजली कटौती का खतरा बढ़ जाता है ।

32 किग्रा का ट्यूमर लेकर 7 साल से घूम रही थी महिला

ग्वाटेमाला । महिला को शुरू में लगा कि वो प्रेग्नेंट है। इसलिए वो इतने बड़े पेट के साथ घूमती रही। लेकिन हॉस्पिटल गई तो उसके पेट से 32 किलो का ट्यूमर निकाला गया, जो उसके गर्भाशय में मौजूद था। यह मामला सेंट्रल अमेरिका के ग्वाटेमाला का है। तब इसे दुनिया का सबसे बड़ा ट्यूमर कहा गया, लेकिन गिनीज बुक्स के मुताबिक ऐसा नहीं है। बताया जाता है कि ये महिला पिछले 7 सालों से इस ट्यूमर को पेट में लिए घूम रही थी। शुरू में उसे लगा कि प्रेग्नेंट है, लेकिन बाद में जब ट्यूमर होने की बात पता चली, तो उसने समाजिक और सांस्कृतिक कारणों से इलाज करवाने से इनकार कर दिया था। लेकिन जब बात जान पर बन आई, तब थक-हार कर उसने सर्जरी करवाने का फैसला किया। सोशल मीडिया पर इस महिला की कहानी तेजी से वायरल हो रही है। चिकित्सकों के मुताबिक, महिला तब भी ट्यूमर नहीं निकलवाना चाहती थी, लेकिन जब वह कैंसर का रूप लेने लगा, महिला के जान पर बन आई, तब वो सर्जरी करवाने को तैयार हुई। महिला की सर्जरी करने वाली डॉक्टर ने बताया कि पिछड़े इलाकों में ज्यादातर महिलाएं अंधविश्वास की वजह से अपने स्वास्थ के साथ खिलवाड़ करती हैं।

पाकिस्तान में बड़ा अटैक

बलूचिस्तान में कोल खदान पर रॉकेट और ग्रेनेड से हमला, 20 लोगों की मौत

इस्लामाबाद।
पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में एक कोयला खदान में रॉकेट और ग्रेनेड से हुए हमले में कम से कम 20 लोग मारे गए और सात अन्य घायल हो गए। इस हमले की अभी तक किसी भी आतंकवादी संगठन या समूह ने जिम्मेदारी नहीं ली है। उल्लेखनीय है कि बलूचिस्तान में अगस्त में हुए आतंकी हमलों में कम से कम 50 लोगों की जान चली गई थी।

सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार को बलूचिस्तान के डुकी इलाके में निजी कोयला खदान पर हथियारबंद लोगों के हमले में कम से कम 20 खनिक मारे गए और सात घायल हो गए। डुकी पुलिस स्टेशन के एसएचओ हुमायूं खान ने कहा है कि हथियारबंद लोगों के एक समूह ने तड़के डुकी इलाके में जुनैद कोल कंपनी की खदानों पर हथियारों से हमला किया। हमलावरों ने रॉकेट और ग्रेनेड भी दागे। डुकी जिला अस्पताल के डॉक्टर जौहर खान शादीजई ने कहा कि जिला अस्पताल में अब तक 20 शव और छह घायल भेजे गए हैं। अधिकारियों के अनुसार, किसी भी समूह ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है।

जिला परिषद अध्यक्ष खैरुल्ला नासिर ने भी घटना की पुष्टि करते हुए कहा कि बदमाशों ने हमले में हैंड ग्रेनेड, रॉकेट लॉन्चर और अन्य आधुनिक हथियारों का इस्तेमाल किया। हमलावरों ने खान की मशीनरी में भी आग लगा दी। नासिर ने कहा कि सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस और फ्रंटियर कोर की टीमें घटनास्थल पर पहुंचीं। डुकी के जिला उपायुक्त कलीमुल्लाह काकर और सहायक आयुक्त, फंटियर कोर कमांडेंट और डुकी के पुलिस अधीक्षक ने मौके का जायजा लिया है।

जिला उपायुक्त कक्कड़ ने कहा कि पीड़ित पाकिस्तान के विभिन्न क्षेत्रों के साथ-साथ अफगानिस्तान के भी थे। सातों घायलों को लोरलाई तहसील मुख्यालय स्थानांतरित कर दिया गया है। घटना की जांच आतंकवाद निरोधक विभाग करेगा। उन्होंने कहा कि इस खदान पर हमले का खुफिया अलर्ट मिलते ही इस सूचना से खदान मालिक को अवगत करा दिया गया था।

यह हमला तब हुआ है जब पाकिस्तान 15 और16 अक्टूबर तक इस्लामाबाद में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने की तैयारी कर रहा है। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इसे आतंकी हमला करार देते हुए अधिकारियों से इस पर रिपोर्ट मांगी है। उन्होंने मारे गए खनिकों के परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की है। कार्यवाहक राष्ट्रपति सैयद यूसुफ रजा गिलानी ने घटना पर खेद व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह क्रूरता की पराकाष्ठा है।

बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने आतंकवादियों के खिलाफ तत्काल और प्रभावी कार्रवाई करने का आदेश दिया है। उन्होंने निर्देश दिया कि उपद्रवियों को प्रतिबंधित करने और उनका पता लगाने के लिए क्षेत्र की घेराबंदी की जाए। बुगती ने कहा कि आतंकवादियों ने मजदूरों को निशाना बनाकर क्रूरता और उत्पीड़न की हदें पार कर दी हैं। पीटीवी न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, आंतरिक मंत्री मोहसिन नकवी ने भी सशस्त्र हमले की निंदा की और शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की।

फितना अल-खवारिज के तीन आतंकी मारे गए- एआरवाई न्यूज चैनल के अनुसार, आतंकवाद निरोधक विभाग ने आज बलूचिस्तान के धादर में सिबी के पास अभियान में फितना अल-खवारिज के तीन आतंकवादियों को मार गिराया। आतंकवादी के कब्जे से भारी मात्रा में हथियार बरामद किए गए।

पिछले साल 789 आतंकी हमले, 1524 की मौत- पिछले साल (2023) पाकिस्तान को 789 आतंकी हमलों का सामना करना पड़ा। इन हमलों में 1,524 लोगों की मौत हुई और 1,463 लोग घायल हुए। यह आंकड़ा पिछले छह साल में सर्वाधिक है। जनवरी 2021 में पाकिस्तान के माच कोयला क्षेत्र में शिया हजारा समुदाय के 11 कोयला खनिकों की आंखों पर पट्टी बांधकर हत्या कर दी गई थी। आतंकवादी इस्लामिक स्टेट समूह ने हत्या की जिम्मेदारी ली थी।

भारत ने म्यांमार पर आसियान के दृष्टिकोण का समर्थन किया

प्रधानमंत्री मोदी ने लाओस में 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन में कहा-आतंकवाद वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती

विएंतियान (लाओस।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज यहां 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन को संबोधित किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत म्यांमार की स्थिति पर आसियान के दृष्टिकोण और पांच सूत्री सहमति का समर्थन करता है। भारत सरकार के पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने 19वें पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन का वक्तव्य जारी किया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि भारत का मानना है कि मानवीय सहायता को बनाए रखना महत्वपूर्ण है और लोकतंत्र की बहाली के लिए भी उचित कदम उठाए जाने चाहिए। इसके लिए म्यांमार को शामिल किया जाना चाहिए। उसे अलग-थलग नहीं किया जाना चाहिए। पड़ोसी देश के रूप में भारत अपनी जिम्मेदारी निभाता रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत का मानना है कि समुद्री गतिविधियां अन्क्लोस के अंतर्गत संचालित होनी चाहिए। फ्रीडम ऑफ नेविगेशन और एयर स्पेस सुनिश्चित करना जरूरी है। एक ठोस और प्रभावी कोड ऑफ कंडक्ट बनाया जाना चाहिए। इसमें क्षेत्रीय देशों की विदेश नीति पर अंकुश नहीं लगाए जाने चाहिए। हम सबकी सोच विकासवाद की होनी चाहिए न कि विस्तारवाद की।

उन्होंने कहा कि विश्व के अलग-अलग क्षेत्रों में चल रहे संघर्षों का सबसे नकारात्मक प्रभाव ग्लोबल साउथ के देशों पर हो रहा है। भारत चाहता है कि चाहे यूरेशिया हो या पश्चिम एशिया, जल्द से जल्द शांति और स्थिरता की बहाली हो।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, %%मैं बुद्ध की धरती से आता हूं। मैंने बार-बार कहा है कि यह युद्ध का युग नहीं है। समस्याओं का समाधान रणभूमि से नहीं निकल सकता। संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और अंतरराष्ट्रीय कानूनों का आदर करना आवश्यक है। मानवीय दृष्टिकोण रखते हुए, संवाद और कूटनीति को प्रमुखता देनी होगी। विश्वबंधु के दायित्व को निभाते हुए भारत इस दिशा में हर संभव योगदान करता रहेगा।

उन्होंने कहा कि आतंकवाद भी वैश्विक शांति और सुरक्षा के लिए एक गंभीर चुनौती है। इसका सामना करने के लिए, मानवता में विश्वास रखने वाली ताकतों को एकजुट होकर काम करना ही होगा। उन्होंने मलेशिया को आगामी मेजबान के लिए शुभकामनाएं देते हुए सफल अध्यक्षता के लिए भारत के पूर्ण समर्थन का विश्वास दिलाया।

फ्लोरिडा में तूफान मिल्टन का कहर बाढ़ से हालात, 12 लोगों की मौत

न्यूयॉर्क।
अमेरिका के दक्षिणपूर्वी राज्य फ्लोरिडा के लोगों को तूफान मिल्टन की वजह से सारी रात तेज हवा, बवंडर और भारी बारिश का सामना करना पड़ा। कई क्षेत्रों में बाढ़ जैसे हालात बन गए। इस दौरान कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई। द न्यूयॉर्क टाइम्स की खबर के अनुसार, छह लोगों की मौत सेंट लूसी काउंटी में हुई है। पांच लोग बवंडर में मारे गए । एक अन्य की मौत भी जल आपता में हो गई। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। लगभग 2.6 मिलियन लोगों को बिना बिजली के गुजारा करना पड़ा। मिल्टन का प्रभाव ताम्पा खाड़ी क्षेत्र में कमजोर पड़ चुका है। मिल्टन 2024 में अब तक खाड़ी तट से टकराने वाला पांचवां तूफान है। यह फ्लोरिडा तट से टकराया है।

भारतीय प्रधानमंत्री मोदी की लाओस में चार्ल्स मिशेल, मार्कोस और क्लाउस से मुलाकात

विएंतियान (लाओस)।
भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लाओस की राजधानी विएंतियान में आसियान-भारत शिखर सम्मेलन से इतर यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल, फिलीपींस के राष्ट्रपति बोंगबोंग मार्कोस और विख्यात अर्थशास्त्री क्लाउस श्वाब से मुलाकात की।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने अपने जापानी समकक्ष शिगेरू इशिबा और न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन से मुलाकात की। इस दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने वैश्विक नेताओं से विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तौर-तरीकों पर चर्चा की।

प्रधानमंत्री ने एक्स हैंडल पर लिखा, यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष चार्ल्स मिशेल के साथ एक शानदार बातचीत। फिलीपींस के राष्ट्रपति बोंगबोंग मार्कोस के साथ अद्भुत बातचीत हुई और दोस्त मार्टिन श्वाब से मिलना अच्छा लगा। उल्लेखनीय है कि मार्टिन श्वाब

जर्मन मैकेनिकल इंजीनियर, अर्थशास्त्री और विश्व आर्थिक मंच के संस्थापक हैं। उन्होंने 1971 में संगठन की स्थापना के बाद से डब्ल्यूईएफ के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया।

मई 2024 में डब्ल्यूईएफ ने घोषणा की कि श्वाब जनवरी 2025 तक कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में अपनी भूमिका से न्यासी बोर्ड के अध्यक्ष की भूमिका में आ जाएंगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने जापान के नवनियुक्त प्रधानमंत्री इशिबा उनकी नई जिम्मेदारी के लिए बधाई दी और जापान को नई ऊंचाइयों पर ले जाने में उनकी सफलता की कामना की। दोनों नेताओं ने सुरक्षित और समृद्ध हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। प्रधानमंत्री मोदी ने न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन को पारस्परिक रूप से सुविधाजनक तारीखों पर भारत आने का निमंत्रण दिया, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया।

दोनों ने व्यापार और निवेश, रक्षा और सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, शिक्षा, डेयरी, कृषि तकनीक, खेल, पर्यटन, अंतरिक्ष और लोगों से लोगों के संबंधों सहित कई क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। दोनों नेताओं की यह पहली मुलाकात है।

इससे पहले प्रधानमंत्री मोदी ने आसियान सम्मेलन में कहा कि हम शांतिप्रिय देश हैं और एक-दूसरे की राष्ट्रीय अखंडता और संप्रभुता का सम्मान करते हैं। हम अपने युवाओं के उज्वल भविष्य के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे समय में जब विश्व संघर्ष और तनाव का सामना कर रहा है, भारत-आसियान मित्रता, समन्वय, संवाद और सहयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री ने 2021 में कोरोनाकाल के बाद अपनी पहली बांग्लादेश यात्रा के दौरान शक्तिपीठ में मुकुट भेंट किया था

जेशोरेश्वरी मंदिर से पीएम मोदी का मां काली को भेंट किया मुकुट चोरी

ढाका।
बांग्लादेश में अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना सरकार के पतन के बाद गठित अंतरिम सरकार भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का काली माता को उपहार स्वरूप भेंट मुकुट संभाल नहीं पाई। वह चोरी हो गया। प्रधानमंत्री मोदी ने 2021 में कोरोनाकाल के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा के क्रम में बांग्लादेश पहुंचकर प्रमुख शक्तिपीठ जेशोरेश्वरी मंदिर में विराजमान मां काली के चरणों में मुकुट भेंटकर आशीर्वाद प्राप्त किया था। यह मुकुट गुरुवार दोपहर चोरी हुआ।

राजधानी ढाका से छपने वाले अखबार द डेली स्टार की खबर के अनुसार, यह मंदिर बांग्लादेश में सतखिरा के श्यामनगर में स्थित है। जेशोरेश्वरी मंदिर के पुजारी दिलीप मुखर्जी बताया है कि दिन की पूजा पूरी कराने के बाद वह दोपहर करीब दो बजे मंदिर से चले गए। कुछ ही देरबाद मंदिर का सफाई कर्मचारी परिसर में दाखिल हुआ। थोड़ी देर बाद उसकी नजर काली मां पर पड़ी। वह मुकुट न देखकर हक्का-बक्का रह गया। प्रधानमंत्री मोदी ने 27 मार्च, 2021 को जेशोरेश्वरी मंदिर का दौरा किया था। उन्होंने भेंट स्वरूप में मां काली के सिर पर मुकुट रखा था। यह मंदिर हिंदू धर्म के 52 शक्तिपीठों में से एक है।

श्यामनगर पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर ताइजुल इस्लाम ने घटना की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि मुकुट चुराने वाले की पहचान करने के लिए मंदिर के सीसीटीवी फुटेज की जांच की जा रही है। कई पीढ़ियों से मंदिर की देखभाल करने वाले परिवार के सदस्य ज्योति चट्टोपाध्याय ने कहा कि मुकुट चांदी से बना था और उस पर सोने की परत चढ़ी थी। उल्लेखनीय है कि यह वारदात प्रमुख हिन्दू पर्व शारदीय नवरात्रि के दौरान हुई है। नवरात्रि में देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। देवी का एक स्वरूप मां काली का भी है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था- अपनी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा था कि भारत इस मंदिर में एक बहुउद्देशीय सामुदायिक हॉल का निर्माण कराएगा। इस हॉल का उपयोग स्थानीय नागरिक सामाजिक, धार्मिक और शैक्षणिक आयोजनों के लिए करेंगे। साथ ही यह बहुउद्देशीय सामुदायिक हॉल चक्रवात जैसी आपदाओं के समय सभी के लिए आश्रय स्थल के रूप में कार्य करेगा।

12वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में हुआ निर्माण - जेशोरेश्वरी शक्तिपीठ के लिए 100 कमरों वाले इस मंदिर का निर्माण अनारी नाम के ब्राह्मण ने 12वीं शताब्दी के उत्तरार्ध में कराया था। इसका जीर्णोद्धार 13वीं शताब्दी में लक्ष्मण सेन ने और 16 वीं शताब्दी में राजा प्रतापदित्य ने पुनर्निर्माण करवाया था।

भगवान शिव चंदा के रूप में प्रकट होते हैं- पौराणिक कथा है कि इसी शक्तिपीठ में देवी सती की हथेलियां और पैरों के तलवे गिरे थे। देवी यहां मां जशोरेश्वरी के रूप में निवास करती हैं। भगवान शिव चंदा के रूप में प्रकट होते हैं।